हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 58 देहरादून, बृहस्पतिवार, 18 अगस्त, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

लांस नायक चंद्रशेखर हरबोला का अंतिम संस्कार पूरे सैनिक सम्मान के साथ चित्रशिला घाट पर किया गया

3

मुख्यमंत्री, स्पीकर ने कोटद्वार में किया अग्नीपथ योजना का भव्य आगाज़

आशीष तिवारी की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देश के युवाओं की उम्मीद बन रहे अग्निवीर योजना में भर्ती के लिए कोटद्वार मे भी जोश दिखाई दिया है। यहां अग्नीपथ योजना का शुभारंभ एक भव्य कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण द्वारा मशाल जला कर किया गया। अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी एवं महिला बाल विकास मंत्री रेखा आर्य भी मौजूद रहे। इस अवसर पर सर्वप्रथम मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष द्वारा भारत के प्रथम सीडीएस स्वर्गीय जनरल बिपिन रावत को श्रद्धांजलि दी गई।

अग्नीपथ योजना के इस भव्य आगाज के दौरान हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे, इस दौरान भारी संख्या में पूर्व सैनिक जोश खरोश के साथ अपने सैन्य ड्रेस में उपस्थित होकर अग्निवीर योजना को प्रोत्साहित करते हुए दिखे।मॉडर्न मोंटसरी स्कूल के परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को विक्टोरिया क्रॉस गब्बर सिंह रावत का प्रतीक चिन्ह एवं खुंकरी भेंट की। एनसीसी कैडेट के बैंड के साथ मुख्यमंत्री एवं कैबिनेट मंत्रियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम में पहुंचने से पूर्व मुख्यमंत्री ने हेलीपैड पर अग्निवीर भर्ती में भाग लेने पहुंचे युवाओं को खाना खिलवा कर युवा मोर्चा द्वारा बनाई गईं मोदी रसोई का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान शहीद हुए जवानों के परिजनों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा किउत्तराखंड की पहचान वीर भूमि के रूप में है उन्होंने कहा कि इस अग्निपथ योजना से देश को राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत अनुशासित युवा मिलेंगे। ऐसे ही युवा नए भारत की नींव रखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना में भर्ती होने का सपना रखने वाले उत्तराखंड के युवाओं के लिए यह योजना अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।सरकार ने तय किया है कि अग्निपथ

योजना के तहत सेना में सेवा देने वाले युवाओं को सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी सेवाओं में प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के युवाओं के सर्वांगीण विकास व उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्हें पुलिस, अग्निशमन, आपदा प्रबंधन व चारधाम यात्रा प्रबंधन सेवाओं में प्राथमिकता के आधार पर नियुक्ति दी जाएगी। प्रदेश सरकार इसके लिए जल्द नियमावली जारी करेगी।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि एक सैनिक पुत्री होने के नाते अग्निपथ योजना के शुभारंभ अवसर पर वह स्वयं भी अपने को गौरवान्वित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 14 जून को 'अग्निपथ भर्ती योजना' का ऐलान किया था। इससे देश के उन युवाओं का सपना पूरा होगा जो सेना में भर्ती होना चाहते हैं। अग्निपथ योजना के तहत, भारतीय युवाओं को सशस्त्र बलों में 'अग्निवीर' के रूप में सेवा करने का अवसर प्रदान मिलेगा। उन्होंने कहा कि यूएसए, यूनाइटेड किंगडम, रूस, इजराइल, चीन व फ्रांस जैसे देशों में भी युवा इस तरह की योजना से जुड़कर देश सेवा और उज्ज्वल भविष्य से गौरवानुभूति कर रहे हैं। अग्निपथ ऐसी योजना है जो युवाओं को चार साल सेना की सेवा के साथ ही समाज को अनुशासित और प्रशिक्षित नागरिक उपलब्ध कराएगी।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी द्वारा लाल किले की प्राचीर से देश में महिलाओं के प्रति लोगों के व्यवहार पर उठाए गए मुद्दे पर कहा की प्रधानमंत्री ने महिला सम्मान को देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण स्तंभ बताया है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि हमें अपनी 'नारी शक्ति' का समर्थन करने की आवश्यकता है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी सशक्तिकरण को एक नई दिशा एवं दशा मिली है।इसके साथ ही विधान सभा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अगले 25 वर्षों में 'विकसित भारत' सुनिश्चित करने के लिए दिए गए 'पांच प्रण' को लेने का संकल्प लिया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राज्य में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास की संकल्पना पर सभी लोग प्रतिबद्ध हैं।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि हमें अपने युवाओं को सही दिशा दिखाने की जरूरत है। उन्हें भ्रमित होने से बचाने के लिए उन्हें अग्निपथ योजना की सही जानकारी देनी होगी।कहा कि अग्निपथ योजना देश हित की योजना है। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि अग्निपथ भर्ती योजना भारत की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए क्रांतिकारी पहल है। अग्निपथ वह पथ है जहां पहुंचकर युवाओं को सुनहरे भविष्य के अवसरों के अनेकानेक मार्ग नजर आएंगे।

शहीदों के परिजन जिन्हे सम्मानित किया गया:-

*एलओसी पर उरी सेक्टर में शहीद हुए कुंभीचौड निवासी शहीद हवलदार नरेंद्र सिंह की मां बचूली देवी *कारगिल युद्ध के दौरान शहीद हुए 17 गढ़वाल राइफल के शिवराजपुर निवासी शहीद हवलदार मदन सिंह की पत्नी जीना देवी *जम्मू कश्मीर बांदीपुर गुरेज सेक्टर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए 15 गढ़वाल राइफल के शिवपुर निवासी शहीद राइफलमैन मनदीप सिंह की मां सुमन देवी *आतंकवादियों से लड़ते शहीद हुए कालाबड निवासी शहीद नायब सूबेदार प्रेम सिंह बिष्ट की पत्नी सावित्री देवी *पंजाब के बाटाला सेक्टर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए बीएसएफ के हेड कांस्टेबल घमंडपुर निवासी शहीद भरोसे लाल

की पत्नी सावित्री देवी *जम्मू-कश्मीर के बादीपुर में गोलाबारी में शहीद हुए लालपानी निवासी शहीद राइफलमैन रणवीर सिंह के पिता प्रेम सिंह *इस दौरान 104 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी मुरली सिंह रावत को भी सम्मानित किया गया। *राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित सशस्त्र सीमा बल से सेवानिवृत्ति ऊषा सजवान को सम्मानित किया गया।

विधान सभा अध्यक्ष द्वारा कोटद्वार के विकास में मुख्यमंत्री को दिए गए ज्ञापन की प्रस्तावित योजनाएं :-

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि कोटद्वार राजा भरत की जन्मस्थली रही है। पौराणिक काल से ही गढ़वाल का प्रवेश द्वार रहा है।कोटद्वार विधान सभा के ऐतिहासिक महत्व को मध्यनजर रखते हुये कोटद्वार के चहुमुखी विकास हेतु विधानसभा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को 18 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि सभी अट्ठारह मांगे कोटद्वार के विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगी,

1.कण्वाश्रम में चक्रवर्ती सम्राट भरत जी की प्रतिमा (स्वमेव मृगेंद्रता) व कण्वाश्रम का सौन्दर्यकरण।2. कोटद्वार विधान सभा में प्रवेश द्वार का निर्माण3.अर्द्ध सैनिक बलों के लिए कैन्टीन परिसर का निर्माण4.शहीद स्थल का निर्माण।5 .वन विभाग द्वारा मिनी जू का निर्माण6.सड़को का विवरण मरम्मत एवं डामरीकरण हेतु: *चिल्लखाल सिगड्डी कोटद्वार पाखरो मोटर मार्ग *कलालघाटी-मवाकोट मार्ग पर पुल * कोटद्वार-कालगढ़ मोटर मार्ग के समीप कोल्हूचौड नदी पर पुल * लालपानी- सनेह मोटर मार्ग पर पुलिया निर्माण* तेली स्रोत नाले पर स्पान बाक्स कनवर्ट निर्माण7.कोटद्वार विधान सभा के आन्तरिक रोड के सुधारीकरण के लिए 10 करोड़ रूपये ।8 नलकूप :* कोटद्वार क्षेत्र में बॉयी खो नहर के पुनरोद्धार की योजना।* कोटद्वार क्षेत्र में सिगड्डी नहर की मरम्मत कार्य की योजना । * कोटद्वार क्षेत्र में मालन नदी पर बने बॉयी मालन नहर के साईफन एवं सिल्ट ईजेक्टर की बाढ़ से सुरक्षा कार्य की योजना ।9.कोटद्वार विधान सभा में प्रमुख चौराहों पर हाईमास्ट लाइट की स्वीकृति10. कालागढ़ क्षेत्र में सोलर स्ट्रीट लाइट स्थापित का कार्य11. कालागढ़ राम गंगा नदी के पावन तट पर मुक्तिधाम एवं स्थान घाट का निर्माण12. कोटद्वार विधानसभा में सुरक्षा हेतु सी०सी०टी०वी० कैमरो की आवश्यकता । 13. कोटद्वार- पौडी राष्ट्रीय राजमार्ग को चार धाम यात्रा मार्ग मे सम्मिलित करने हेतु ।।14. चारधाम यात्रा के लिए हैली सेवा की सुविधा 15. कोटद्वार विधान सभा के लिए इन्डोर स्टेडियम16. कालागढ में चिकित्सा सुविधा हेतु एम्बुलैन्स17. सिडकुल का विस्तारीकरण18. गंवई स्रोत में GMOU बस अड्डा के लिए वन विभाग द्वारा जमीन हस्तान्तरण हेतु स्वीकृति।

ये लोग उपस्थित रहे:-

जिला अध्यक्ष संपत सिंह रावत, यम्केश्वर विधायक रेणु बिष्ट, पौड़ी विधायक राजकुमार पौरी, लैंसडाउन विधायक दिलीप सिंह रावत, गौसेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र अंथवाल, सुनील गोयल, प्रदेश प्रवक्ता विपिन कैंथोला, प्रदेश मंत्री आदित्य चौहान, शैलेंद्र बिष्ट, सुमन कोटनाला, विनोद रावत, ऋषि कंडवाल, राज गौरव नौडियाल, वीरेंद्र रावत, प्रीती कुलाश्री, जंग बहादुर, जगत किशोर बर्थवाल, रजनी बिष्ट, हरीश सिंह पुंडीर, सुनीता कोटनाला, मनोज पांथरी, योगेश सैनी, चंद्रमोहन जसोला, शंकर सिंघल, प्रकाश टम्टा, पूनम खंतवाल, मंजू जखमोला, ममता देवरानी, सचिन नैनवाल, सांता बमराडा, सौरभ नौडीयाल, लता बलूनी सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। मंच का संचालन नगर मण्डल अध्यक्ष बीना रावत ने किया।

सेफ्टी रेटिंग के हिसाब से भारत में 5 सबसे सुरक्षित कारें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

यदि आप एक नई सेडान, हैचबैक या स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की खरीदारी कर रहे हैं, तो आपको यह जानकर सुकून मिल सकता है कि आज की कारें पहले से कहीं अधिक सुरक्षित हैं। जिसे कभी एक लक्जरी माना जाता था, भारत में अधिकांश कारों पर निर्माताओं द्वारा एयरबैग, आईएसओफिक्स माउंट, मजबूत संरचनात्मक अखंडता, ड्राइवर सहायता सुविधाओं आदि जैसी सुरक्षा सुविधाओं की पेशकश की जा रही है। इन सुरक्षा विशेषताओं को दुर्घटना के दौरान प्रभाव को प्रभावी ढंग से अवशोषित करने या दुर्घटना को पूरी तरह से रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

हमने ग्लोबल न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (जीएनसीएपी) रेटिंग के साथ भारत में सबसे सुरक्षित कारों की रूपरेखा तैयार की है। लेकिन उससे पहले आपको बता देते है की ग्लोबल एनसीएपी क्या होता है। ग्लोबल एनसीएपी या जीएनसीएपी यूके-पंजीकृत चैरिटी द्वारा एक स्वैच्छिक परियोजना है। कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य दुनिया भर के आगामी बाजारों में वाहन दुर्घटना परीक्षण और रिपोर्टिंग को बढ़ावा देना है। वाहन सुरक्षा रेटिंग प्रणाली विभिन्न प्रकार के चौपहिया वाहनों को उनकी दुर्घटना योग्यता के आधार पर रेट करती है।

कार्यक्रम सामने ऑफसेट और साइड-इफेक्ट टक्कर के माध्यम से वाहनों का परीक्षण करता है। भारतीय कारों के लिए ग्लोबल एनसीएपी रेटिंग की प्रणाली में, कार की दुर्घटनाग्रस्तता की जांच करने के लिए वाहनों को 64 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बैरियर में चलाया जाता है। परीक्षण को एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन (AOP) और चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन (COP) में वर्गीकृत किया गया है, और प्रत्येक श्रेणी को वाहन के सुरक्षा प्रदर्शन के आधार पर रेट किया गया है।

यहाँ भारत में GNCAP रेटेड सबसे सुरक्षित कारों की सूची है।

1. टाटा पंच (जीएनसीएपी रेटिंगः 5 स्टार)एक्स-शोरूम कीमतः रु. 5.82 लाख से रु. 9.48 लाखटाटा पंच टाटा मोटर्स की एक एंट्री-लेवल एसयूवी है। इसे लोकप्रिय रूप से माइक्रो-एसयूवी सेगमेंट के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हालांकि, एसयूवी अपील के साथ, वाहन प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा करता है। टाटा मोटर्स ने सुनिश्चित किया है कि छोटा पंच भी उच्च सुरक्षा मानकों को पूरा करता है। टाटा पंच भारत में सबसे सुरक्षित कारों की सूची में नया है; एओपी श्रेणी में 5-स्टार रेटिंग के साथ, इसने अधिकतम 17 अंकों में से 16.45 का प्रभावशाली स्कोर बनाया। वाहन ने सीओपी श्रेणी में भी अधिकतम 49 अंकों में से 40.89 की 4-स्टार रेटिंग के साथ प्रभावित किया। टाटा पंच दो एयरबैग, 4-चैनल ABS, चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन के लिए ISOFIX एंकरेज आदि के साथ आता है।

2. महिंद्रा एक्सयूवी300 (जीएनसीएपी रेटिंगः 5 स्टार)एक्स-शोरूम कीमतः रु. 8.42 लाख से रु. 12.38 लाखMahindra XUV300 GNCAP से 5-स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाली Mahindra की पहली गाड़ी है। कॉम्पैक्ट एसयूवी सुरक्षा सुविधाओं से भरी हुई है, जिसमें शीर्ष संस्करण में छह एयरबैग शामिल हैं। XUV300 को AOP कैटेगरी में 5-स्टार रेटिंग मिली है, जिसमें अधिकतम 17 में से 16.42 अंक हैं। वाहन ने सीओपी श्रेणी में अधिकतम 49 अंकों में से 37.44 के साथ 4-स्टार रेटिंग प्राप्त की।

3. टाटा अल्ट्रोज़ (एनसीएपी रेटिंगः 5 स्टार)एक्स-शोरूम कीमतः रु. 6.20 लाख से रु. 10.15 लाख

टाटा अल्ट्रोज़ ग्लोबल एनसीएपी से 5-स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाली पहली प्रीमियम हैचबैक है। एजेंसी से सुरक्षा पुरस्कार प्राप्त करने के लिए टाटा अल्ट्रोज़ भी भारत में एक पूरी तरह से इंजीनियर कार है, जो इसे भारत में सबसे सुरक्षित प्रीमियम हैचबैक में से एक बनाती है। टाटा अल्ट्रोज़ के क्रैश टेस्ट के परिणामों से पता चला कि फ्रंटल क्रैश टेस्ट में एयरबैग द्वारा संरक्षित फ्रंट में बैठे वयस्क लोगों के लिए अच्छी सुरक्षा है। टाटा अल्ट्रोज़ की कुछ सुरक्षा विशेषताओं में ड्यूल फ्रंट एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, आईएसओफिक्स माउंट, अन्य शामिल हैं।

4. टाटा नेक्सन (जीएनसीएपी रेटिंगः 5 स्टार)एक्स-शोरूम कीमतः रु. 7.54 लाख से रु. 13.80 लाख

एटा नेक्सॉन ग्लोबल एनसीएपी से बहुप्रतीक्षित 5-स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाला पहला मेड-इन-इंडिया वाहन था। एजेंसी द्वारा Nexon का क्रैश-टेस्ट किया गया और SUV ने एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन कैटेगरी के लिए अधिकतम 17 पॉइंट्स में से 16.06 पॉइंट्स हासिल किए, जिसने Tata Nexon को 5-स्टार रेटिंग दी। टाटा नेक्सन ने चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन कैटेगरी में संभावित 49 में से 25 अंक हासिल किए। Nexon के सेफ्टी फीचर्स में फ्रंट में ड्यूल एयरबैग, EBD के साथ ABS और अन्य शामिल हैं।

5. महिंद्रा एक्सयूवी700 (एनसीएपी रेटिंगः 5 स्टार)एक्स-शोरूम कीमतः रु. 13.18 लाख से रु. 24. 58 लाख

Mahindra XUV700 निर्माता की दूसरी SUV है जिसे GNCAP ने 5-स्टार रेटिंग दी है। वाहन को अधिकतम 17 अंकों में से 16.03 के स्कोर के साथ एओपी के लिए 5-स्टार रेटिंग और अधिकतम 49 अंकों में से 41.66 के साथ सीओपी श्रेणी में 4-स्टार रेटिंग प्राप्त हुई। एसयूवी को चालक और यात्री के सिर, गर्दन, छाती और घुटनों को अच्छी सुरक्षा प्रदान करने के लिए पाया गया। परीक्षण किया गया मॉडल दो एयरबैग, आईएसओफिक्स एंकरेज, एबीएस और सीटबेल्ट प्री-टेंशनर्स से लैस था।

उत्तराखंड की पहली ट्रांसजेंडर्स ने आयोजन किया कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव, बड़ी संख्या में ट्रांसजेंडर्स ने लिया भाग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड की पहली ट्रांस महिला अदिति शर्मा की ओर से देहरादून नगर निगम सभागार में कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया। फेस्टिवल में बड़ी संख्या में ट्रांसजेंडर्स ने हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर भी शानदार प्रस्तुतियां दीं। उन्होंने अपनी समस्याएं भी सरकार के सामने रखीं।

दरअसल, देहरादून नगर निगम सभागार में एलजीबीटीक्यू की ओर से कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया था. जिसमें बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। एलजीबीटी समुदाय पर शोध कर रही शबाना आजमी इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। इस दौरान शबाना आजमी ने कहा कि वह 2018 से ट्रांसजेंडर समुदाय से जुड़ी हुई हैं। सरकार को उन पर ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि ट्रांसजेंडर भी इसी समाज का हिस्सा हैं।

कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव की आयोजक उत्तराखंड की पहली ट्रांस महिला अदिति शर्मा का कहना है कि यह कार्यक्रम जनता के सहयोग से ही संभव हो पाया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ट्रांसजेंडर अपने विचार खुलकर व्यक्त करें और सामाजिक कार्यों में भाग लें। अदिति शर्मा ने ट्रांसजेंडरों के प्रति सरकार की उदासीनता

पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार को आगे आकर ट्रांसजेंडरों का ख्याल रखना चाहिए।

भाग लेने वाले ट्रांसजेंडरों में से एक ने कहा- ट्रांसजेडर्स को बढ़ते देखकर उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है। पहले ट्रांसजेडर्स को हीनभावना से देखा जाता था। धीरे-धीरे ट्रांसजेडर्स को बराबरी का दर्जा प्राप्त हो रहा है। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन से एलजीबीटीक्यू समाज बहुत खुश और उत्साहित है।भारत में एलजीबीटीक्यू कानून पर पीएम मोदी का जताया आभारः वहीं, ट्रांसजेंडर्स ने इस दौरान अपनी समस्याएं उठाते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं में ट्रांसजेंडर्स की भूमिकाएं भी सुनिश्चित होनी चाहिए. साथ भी उम्मीद जताई कि धामी सरकार उनकी

समस्याओं का निराकरण करेगी. वहीं, अदिति शर्मा ने भारत में एलजीबीटीक्यू कानून लागू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया.

लांस नायक चंद्रशेखर हरबोला का अंतिम संस्कार पूरे सैनिक सम्मान के साथ चित्रशिला घाट पर किया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

शहीद लांसनायक चंद्रशेखर का पार्थिव शरीर 12.15 बजे हल्द्वानी पहुंचा। शहीद को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां लोगों को सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान उनके परिजनों को शहीद का चेहरा नहीं दिखाई गया। अंतिम दर्शन के लिए परिजनों को केवल दस मिनट का समय ही मिला।

शहीद चंद्रशेखर का पार्थिव शरीर मंगलवार को घर नहीं पहुंच सका था। स्थानीय लोगों ने उनके सम्मान में और श्रद्धांजलि देने के लिए पूरी गली को ही तिरंगामय कर दिया। अंतिम विदाई देने के लिए फूलों से सजी गाड़ी भी तैयार की गई है। जब पता चला कि पार्थिव शरीर मंगलवार को नहीं लाया जा सका तो मायूसी छा गई थी।

लांस नायक चंद्रशेखर हरबोला का अंतिम संस्कार पूरे सैनिक सम्मान के साथ आज रानीबाग के चित्रशिला घाट पर किया गया. शहीद लांसनायक चंद्रशेखर हरबोला की दोनों बेटियां कविता और बबीता ने पिता को मुखाग्नि दी. इस दौरान शहीद के अंतिम दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में लोग घाट पर मौजूद रहे. सेना, प्रशासन और पुलिस के जवानों ने शहीद को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी. सीएम धामी, कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य, गणेश जोशी और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने भी शहीद के परिजनों से मुलाकात की. वहीं, शहीद लांसनायक चंद्रशेखर हरबोला की दोनों बेटियां कविता और बबीता ने पिता को मुखाग्नि दी.

बता दें आज सेना के जवान लांस नायक चंद्रशेखर हरबोला का पार्थिव शरीर हल्द्वानी के आर्मी हेलीपैड पर पहुंचा. जहां से पार्थिव शरीर को उनके आवास पर अंतिम दर्शनों के लिए रखा गया. इस दौरान स्थानीय लोगों से लेकर वीआईपी लोगों ने शहीद को याद करते हुए उन्हें नमन किया. सीएम धामी भी शहीद के दर्शनों के लिए उनके घर पहुंचे. सीएम धामी ने लांस नायक चंद्रशेखर हरबोला के परिजनों से मुलाकात करते हुए उन्हें ढांढस बंधाया.

इस दौरान सीएम धामी ने कहा शहीद चंद्रशेखर हरबोला के बलिदान को याद रखा जाएगा. उन्होंने कहा उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सीख है. सीएम धामी ने कहा चंद्रशेखर हरबोला एक परिवार के नहीं हैं, वे पूरे देश के हैं. उन्होंने कहा सैन्य धाम में भी उनकी स्मृतियों को संजोकर रखा जाएगा. उनके नाम पर स्कूल, सड़क और स्मारक की की मांग के सवाल पर बोलते हुए सीएम धामी ने कहा परिवार की भावनाओं का सम्मान करते हुए उनकी मांगो पर जरुर विचार किया जाएगा. इस दौरान कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य, गणेश जोशी और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य भी सीएम के साथ मौजूद रहे.

बाद में पूरे सैन्य सम्मान के साथ शहदी की अंतिम यात्रा निकाली गई. अंतिम यात्रा में भारत माता की जय, शहीद चंद्रशेखर हरबोला अमर रहे के नारे गूंजे. आखिर में पूरे सैनिक सम्मान के साथ रानीबाग के चित्रशिला घाट पर लांस नायक चंद्रशेखर हरबोला का अंतिम संस्कार किया गया. इस

दौरान सभी के आंखे नम नजर आई. बता दें मूल रूप से अल्मोड़ा जिले के द्वाराहाट के हाथीगुर बिंता निवासी चंद्रशेखर हरबोला 19 कुमाऊं रेजीमेंट में लांसनायक थे. वह 1975 में सेना में भर्ती हुए थे. वे 38 साल पहले सियाचिन में शहीद हुए थे.

ऑपरेशन मेघदूत में थे शामिलः मूल रूप से अल्मोड़ा जिले के द्वाराहाट के हाथीगुर बिंता निवासी चंद्रशेखर हरबोला 19 कुमाऊं रेजीमेंट में लांसनायक थे. वह 1975 में सेना में भर्ती हुए थे. 1984 में भारत और पाकिस्तान के बीच सियाचिन के लिए झड़प हो गई थी. भारत ने इस मिशन का नाम ऑपरेशन मेघदूत रखा था.

ग्लेशियर की चपेट में आकर हुए थे शहीदः भारत की ओर से मई 1984 में सियाचिन में पेट्रोलिंग के लिए 20 सैनिकों की टुकड़ी भेजी गई थी. इसमें लांसनायक चंद्रशेखर हरबोला भी शामिल थे. सभी सैनिक सियाचिन में ग्लेशियर टूटने की वजह से इसकी चपेट में आ गए जिसके बाद किसी भी सैनिक के बचने की उम्मीद नहीं रही. भारत सरकार और सेना की ओर से सैनिकों को ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया गया. इसमें 15 सैनिकों के पार्थिव शरीर मिल गए थे लेकिन पांच सैनिकों का पता नहीं चल सका था.

उत्तराखंड में मनाई गई घी संक्रांति...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इस बार सूर्य ने 17 अगस्त को कर्क राशि को छोड़कर सिंह में प्रवेश किया इसलिए इसे भारत के अन्य राज्यों में सिंह संक्रांति के नाम से भी मनाया जाता है, लेकिन उत्तराखंड में सिंह संक्रांति को घी संक्रांति के रूप में जाना जाता है और कुमाऊं संभाग में इस त्योहार को घी के नाम से जाना जाता है। उत्तराखंड में इस लोक उत्सव को काफी ख़ुशी से मनाया गया। जानिए उत्तराखण्डी क्यों इस लोक उत्सव को मानते है। घी संक्रांति में घी खाने का विशेष महत्व माना जाता है।

हालांकि ये परंपरा उत्तराखंड में ज्यादा देखने को मिलती है। ऐसा कहा जाता है कि जो भी व्यक्ति घी संक्रांति पर भोजन में घी का प्रयोग करता है, उसकी याददाश्त, बुद्धि, बल और ऊर्जा में वृद्धि होती है। भोजन में गाय के घी का उपयोग करने से वात, कफ और पित्त दोष जैसी परेशानियां नहीं होती। ऐसा भी कहा जाता है कि सिंह संक्रांति पर घी खाने से कुंडली में राहु-केतु दोष से भी मुक्ति मिलती है। घी त्यार (घी संक्रांति) देवभूमि उत्तराखंड में सभी लोक पर्वों की तरह प्रकृति एवं स्वास्थ्य को समर्पित पर्व है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट कर दी बधाईसीएम पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट कर लिखा, ₹आप समस्त प्रदेशवासियों को प्रकृति एवं उत्तम स्वास्थ्य को समर्पित लोकपर्व घी संक्रांति

(घ्यू त्यार) की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं. लोकपर्व हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है इसलिए आइए हम सभी पूरे हर्षोल्लास के साथ यह पर्व मनाते हुए विश्व में हमारी पहचान को स्थापित करें.

हरिद्वार के ब्यूटी पार्लर में लगी आग से लाखों का माल जल कर राख

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के हरिद्वार ज़िले की ब्यूटी पार्लर में लगी भीषण आग बता दे कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र की मॉडल कॉलोनी स्थित ब्यूटी पार्लर में बुधवार तड़के अचानक आग लग गई. जब तक ब्यूटी पार्लर का शटर बंद होने से आग का पता चलता तब तक अंदर रखा लाखों रुपये का सामान जल कर राख हो चुका था। धुआं निकलता देख लोगों ने घटना की सूचना दमकल विभाग को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने बमुश्किल आग पर काबू पाया।प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र की मॉडल कॉलोनी में रॉयल चेरिश नाम का एक महिला ब्यूटी पार्लर है. रोज की तरह रात में पार्लर स्वामी ने ब्यूटी पार्लर बंद किया और घर चले गए। सुबह करीब साढ़े आठ बजे मोहल्ले से गुजर रहे लोगों ने दुकान से धुआं निकलता देख स्थानीय पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी. जिसके बाद दमकल विभाग की दो गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं, पार्लर का शटर तोड़ा और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक दुकान के अंदर रखा लाखों रुपये का सामान जल कर राख हो गया। गनीमत रही कि इस आग से ब्यूटी पार्लर के ऊपरी हिस्से में स्थित दूसरी दुकान को कोई नुकसान नहीं हुआ।दमकल अधिकारी आरएस राणा ने बताया कि ब्यूटी पार्लर में आग लगने की सूचना मिलते ही टीम तुरंत मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. दुकान के अंदर काफी धुआं था।

जानिए श्री कृष्ण जन्माष्टमी के बारे में

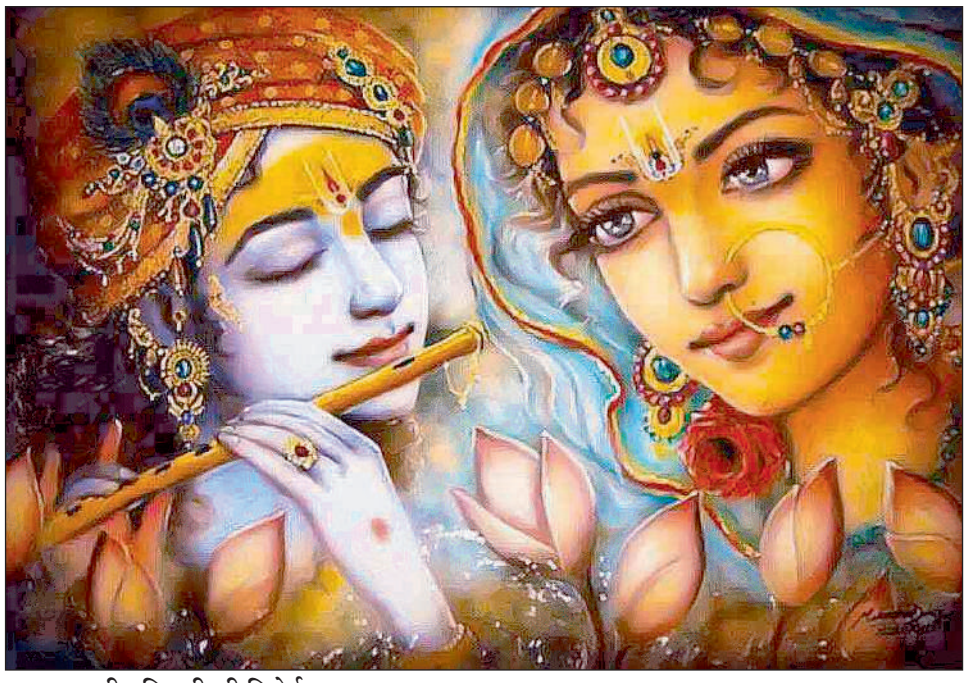

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आज के दौर में जबकि रिश्तों को संभालने और संवारने की चुनौती बढ़ती जा रही है, ऐसे में हम आपको कृष्ण की कामयाब जिंदगी के वे सात मंत्र बताने जा रहे हैं जिन्हें अपना कर आप अपने प्यार और परिवार को बिखरने से बचा सकते हैं।

पहला कृष्ण मंत्र – भावनाओं का करें सम्मान

गोकुल की तमाम गोपियों के दिलों में बसने वाले कान्हा का दिल सिर्फ राधा के लिए ही धड़कता था। राधा के जीवन में भी कृष्ण से अनमोल कोई नहीं था। इस अमर प्रेम कहानी के सूत्रधार स्वयं कृष्ण ही थे जिन्होंने अवतारी पुरुष होने के बावजूद कभी भी राधा का अनादर नहीं किया। गोपियों को छेड़ने से लेकर उनकी गगरी फोड़ने तक कृष्ण की लीलाओं से जब भी राधा खीझती थी तो उन्हें मनाने के लिए कान्हा दिन-रात एक कर देते थे। जब तक राधा रानी मान नहीं जातीं तब तक कृष्ण हार नहीं मानते थे। प्रेमी-प्रेमिकाओं और पति-पत्नी के रिश्ते को कामयाब बनाने की यह सबसे बड़ी सीख है।

दूसरा कृष्ण मंत्र – पसंद-नापसंद का रखें ख्याल

कान्हा को अपने दोस्तों की टोली बहुत पसंद थी। वे अक्सर गाय चराने और माखन चुराने के लिए अपनी टोली के साथ निकल जाया करते थे। राधा रानी को कृष्ण का यह फक्कड़ अंदाज बिल्कुल पसंद नहीं था। पर कृष्ण को दोस्ती के साथ-साथ प्यार निभाना भी खूब आता था। उन्हें जब भी समय मिलता वे अपनी बांसुरी लेकर यमुना के तट पर पहुंच जाते और फिर ऐसी सुरीली तान छेड़ते कि राधा उनके पास खिंची चली आती थीं। निजी जिंदगी में अपने हमसफर का दिल जीतने के लिए ऐसे जतन बेहद जरूरी हैं।

तीसरा कृष्ण मंत्र – प्यार को चाहिए प्रोत्साहन

कृष्ण जब बांसुरी बजाते थे तो राधा मदहोश हो जाती थीं। और कृष्ण जब रास रचाते थे तो राधा सुध-बुध खोकर नाच उठती थीं। राधा-कृष्ण का एक दूसरे के प्रति प्रेम और समर्पण का भाव इसलिए इतना गहरा था कि क्योंकि दोनों एक दूसरे की कद्र करते थे। जिस तरह राधा रानी कृष्ण की कला की सराहना करती थीं उसी भाव में कृष्ण भी हमेशा उनका हौसला बढ़ाया करते थे। जब समाज ने दोनों के रिश्ते पर उंगली उठाई तब भी कृष्ण पूरी मजबूती से राधा के साथ खड़े रहे। कृष्ण तमाम गोपियों में राधा को ही सर्वश्रेष्ठ मानते थे और उनका कोई भी उत्सव राधा के बिना पूरा नहीं होता था। सीख यह है कि अगर प्यार के रिश्ते में एक-दूसरे का हौसला बढ़ाते रहें तो संबंधों की बुनियाद कभी नहीं हिलती।

चौथा कृष्ण मंत्र – बात बिगड़े तो संभाल लें

कहते हैं प्यार में तकरार न हो तो वह अधूरा है। कृष्ण और राधा का प्रेम भी इससे अछूता नहीं था। कई बार कृष्ण की बातें या बर्ताव राधा को चुभ जाया करती थीं। बाल लीला खत्म करने के बाद जब कृष्ण अपने माता-पिता को जेल से रिहा करवाने के लिए मथुरा जाने लगे तो राधा बिल्कुल तैयार नहीं थीं। वह जानती थीं कि कृष्ण को मथुरा में कंस से लड़ना है। ऐसे में कृष्ण ने अपना कर्तव्य याद दिलाते हुए राधा की उलझन दूर की और मथुरा के लिए रवाना हुए। यह प्रसंग सिखाता है कि प्यार और प्रोफेशन के बीच कैसे संतुलन बनाया जा सकता है।

पांचवां कृष्ण मंत्र – भरोसा मजबूत तो रिश्ता अटूट

जिस रिश्ते में भरोसा न हो वहां प्यार नहीं टिकता। कृष्ण का प्रेम संबंध भरोसे की बुनियाद पर ही मजबूती से खड़ा रहा। राधा को पता था कि कृष्ण के जीवन का लक्ष्य कितना बड़ा है। यह भी मालूम था कि एक बार कृष्ण गोकुल से चले गए तो लौट कर नहीं आएंगे। बावजूद इसके दोनों के रिश्ते में कभी खटास नहीं आई। बाद में जब कृष्ण ने रुक्मिणी और सत्यभामा से विवाह कर लिया, तब भी दोनों का प्रेम खत्म नहीं हुआ। अपने वैवाहिक जीवन में कृष्ण ने पति और पिता का धर्म भी बखूबी निभाया। प्रेम संबंध से इतर दांपत्य जीवन में प्रवेश करने वालों के लिए कृष्ण का ये संदेश भी काफी मायने रखता है।

उत्तराखंड में मनाया गया बटर फेस्टिवल, जानें कहां और कैसे....

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बटर फेस्टिवल उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के दयारा बुग्याल में होली के त्योहार की तरह ही मनाया जाता है। बटर फेस्टिवल को अंदुरी फेस्टिवल के नाम से भी जाना जाता है। रैथल गाँव और आसपास के कुछ गाँव मिल्क बटर फेस्टिवल का आयोजन करते हैं। इस बार बटर फेस्टिवल 17 अगस्त को आयोजन किया गया।रायथल गांव के ग्रामीण हर साल भाद्रपद संक्रांति पर दयारा बुग्याल में प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए दूध, मक्खन, मट्ठा की होली का आयोजन करते हैं। इस अवसर पर ग्रामीणों ने स्थानीय देवी देवताओं की पूजा अर्चना की और मक्खन मट्ठा की होली खेली।आपको बता दें कि पहले होली गाय के गोबर से भी खेली जाती थी, लेकिन अब इस त्योहार को पर्यटन से जोड़ने के लिए ग्रामीणों ने मक्खन और मट्ठे से होली खेलना शुरू कर दिया है।पिछले वर्षों से दयारा पर्यटन महोत्सव समिति, रायथल की ओर से पर्यटकों को इस आयोजन से जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर इस लोक उत्सव का आयोजन भी किया जाता था। इस अवसर पर ग्रामीणों ने दयारा बुग्याल में पारंपरिक रसाऊ नृत्य भी किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस बार आयोजित होने वाले बटर फेस्टिवल में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। इसके साथ ही पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज, गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान भी पहुंचेंगे।जिला मुख्यालय उत्तरकाशी से सड़क मार्ग से 42 किलोमीटर और भटवाड़ी प्रखंड के रायथल गांव से 9 किलोमीटर की दूरी पर स्थित 28 वर्ग किलोमीटर में फैले दयारा बुग्याल में सदियों से अधुंडी उत्सव मनाया गया। बता दें कि गर्मी का मौसम शुरू होते ही राठल समेत आसपास के गांवों के ग्रामीण अपने मवेशियों को लेकर बुग्याली इलाके में स्थित अपनी चनियों में चले जाते हैं. वह पूरे गर्मी के मौसम में वहीं रहता है। वे अंधुड़ी उत्सव (मक्खन उत्सव) मनाने के बाद ही गांव लौटते हैं। लेकिन, लौटने से पहले वे प्रकृति को धन्यवाद देने के लिए इस मेले का आयोजन करते हैं।इस बटर फेस्टिवल कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भी पहुंचना था, लेकिन मौसम अनुकूल न होने के कारण मुख्यमंत्री कार्यक्रम में नहीं पहुंच पाए. उन्होंने वीडियो संदेश के जरिये सभी प्रदेशवासियों को बटर फेस्टिवल की बधाई दी है.

अग्निपथ भर्ती के लिए उत्तराखंड के सात जिलों से 63,360 युवाओं ने किया पंजीकरण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अग्निपथ भर्ती के लिए उत्तराखंड के कोटद्वार के विक्टोरिया क्रॉस गबर सिंह कैंप में 19 अगस्त से होने वाली है। अग्निपथ भर्ती के लिए 63,360 युवाओं ने पंजीकरण कराया है जिसमे चमोली जिले के 9306, देहरादून के 9148, हरिद्वार के 6812, पौड़ी गढ़वाल के 16330, रुद्रप्रयाग के 6357, टिहरी गढ़वाल के 9784 और उत्तरकाशी जिले के 5623 युवाओं ने अपना पंजीकरण कराया है।

राज्य की पहली अग्निपथ भर्ती योजना को लेकर डीएम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली उन्होंने अधिकारियों को भर्ती के संबंध में व्यवस्था करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि भर्ती के लिए आने वाले युवाओं को कोविड का टीकाकरण प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है।

मंगलवार को सेना भर्ती अधिकारी कर्नल मुनीश शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में डीएम डॉ. विजय कुमार जोगदांडे ने कार्यपालन यंत्री एलएनवी दुगड्डा को चिन्हित स्थानों पर बैरिकेडिंग और पार्किंग की व्यवस्था करने को कहा. स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल स्टाफ, एंबुलेंस की तैनाती से संबंधित सूची उपलब्ध कराने के निर्देश शिक्षा विभाग को भर्ती

में युवाओं के प्रमाण पत्रों की गंभीरता से जांच करने, ऊर्जा निगम को बिजली आपूर्ति बनाए रखने आदि के निर्देश दिए।

अग्निवीर योजना के तहत आगामी माह की भर्ती के लिए युवाओं ने तहसील स्तर पर प्रमाण पत्र तैयार करना शुरू कर दिया है, लेकिन स्टाफ की कमी के कारण युवाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।सेना भर्ती के लिए पहाड़, स्थाई, जाति, आय व अन्य प्रमाण पत्र बनवाने के लिए तहसील पहुंचे युवक, लेकिन स्टाफ नहीं होने से युवाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. तहसील मुख्यालय पर सुबह 10 बजे से ही युवाओं की भीड़ जमा हो गई थी। युवा प्रदीप, नरेश, दिनेश आदि ने बताया कि वे सुबह नौ बजे तहसील पहुंचे थे लेकिन दोपहर के बाद आवेदन पत्र जमा किए जा सके. वहीं, ऊखीमठ और जखोली में भी यही स्थिति है। जिला पंचायत अध्यक्ष सुमंत तिवारी ने प्रशासन से मांग की है कि तहसीलों में युवाओं की सेना भर्ती के लिए आवश्यक प्रमाण पत्रों के लिए अलग से काउंटर बनाया जाए। डीएम ने कहा कि भर्ती होने के लिए आने वाले युवाओं को वैक्सीनेशन प्रमाणपत्र भर्ती स्थल पर लाना आवश्यक है। प्लास्टिक का उपयोग प्रतिबंध रहेगा।

शहर में जो भी पशु स्वामी अपने पशुओं को छोड़ता है तो उसकी पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। जिस होटल में रेट लिस्ट चस्पा नहीं पाई जाती उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यशवंत सिंह चौहान, एएसपी शेखर चंद्र सुयाल, नगर आयुक्त किशन सिंह नेगी, एसडीएम प्रमोद कुमार, सीओ जीएल कोहली, सीओ ऑपरेशन विशाल सैनी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रचना लाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड में आठ नई जलविद्युत परियोजनाओं का निर्माण करेगा टीएचडीसी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अब बार-बार बिजली जाने से मिलेगी राहत और उत्तराखंड में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन बनाएगा टीएचडीसी आपको बता दे, उत्तराखंड में जल्द ही आठ नई जलविद्युत परियोजनाएं शुरू होने जा रही हैं। इनसे करीब 3000 मेगावाट बिजली पैदा होगी। इनमें से चार परियोजनाएं कुमाऊं में और चार गढ़वाल संभाग में बनाई जाएंगी। इन परियोजनाओं के लिए विद्युत मंत्रालय से सैद्धांतिक सहमति प्राप्त कर ली गई है। अक्टूबर से नई परियोजनाओं पर काम शुरू होने की उम्मीद है।

टीएचडीसी के चेयरमैन और एमडी राजीव कुमार विश्नोई ने बताया कि उत्तराखंड में हाइड्रो प्रोजेक्ट से कुल करीब दस हजार मेगावाट बिजली उत्पादन संभव है। आठ परियोजनाओं की पहचान की गई है जो 3000 मेगावाट बिजली पैदा कर सकती हैं।इनमें कुमाऊं की धौली व काली गंगा क्षेत्र में चार और गढ़वाल में यमुना वैली में चार परियोजनाएं बनेंगी। परियोजनाओं का काम नई कंपनी करेगी। इस कंपनी का गठन एक माह में होने की उम्मीद है। इसमें टीएचडीसी की हिस्सेदारी 74% और राज्य सरकार का हिस्सा 26% होगा। टीएचडीसी हाइड्रो प्रोजेक्ट की तकनीक भी सरकार को देगा।

नई परियोजनाओं पर उत्तराखंड सरकार भी गंभीर है।परियोजनाओं पर करीब बीस हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। विश्नोई ने कहा कि वर्तमान में देश में लगभग 60% बिजली थर्मल पावर से, 30% वैकल्पिक ऊर्जा से और लगभग 10% हाइड्रो से उत्पन्न हो रही है। इससे पनबिजली को लेकर राज्य में अपार संभावनाएं हैं। टीएचडीसी अब उत्तराखंड में जलविद्युत परियोजनाओं का काम करेगी।

विश्नोई ने कहा कि टिहरी बांध ने 2013 की भीषण बाढ़ को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एक अध्ययन में यह स्पष्ट हुआ कि भागीरथी और भिलंगना नदियों की पूरी बाढ़ बांध में समा गई। अगर उन दो नदियों की बाढ़ अलकनंदा में मिल जाती तो गंगा में बाढ़ का स्तर सात मीटर और उससे ऊपर पहुंच जाता। यह ऋषिकेश और आगे के मैदानी इलाकों में तबाही मचा सकता था। बांध बनने से बाढ़ का प्रकोप कम हुआ है। टीएचडीसी उत्तराखंड में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन भी बना रहा है। हरिद्वार और देहरादून में एक-एक स्टेशन बनाया गया है, जबकि चारधाम यात्रा मार्ग पर कई स्टेशन बनाए जाने हैं। इसके लिए राज्य सरकार से जमीन का इंतजार है। गंगोत्री रूट पर चार और बद्रीनाथ रूट पर छह स्टेशन बनाने की योजना है।

योगी राज में बदल गया जेल मैन्युअल, जेल में पकेगी खीर, पार्क में गूंजेगी किलकारी

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जेल का नाम सुनते ही आपकी बहन में एक भयानक और अपना चार दिवारी का अक्स भरता होगा दर्शन जेल का मतलब ही है सख्त और तकलीफदेह वो कोठरी जहां अपराधी पश्चाताप के आंसू बहाकर जुर्म से तौबा करता है। लेकिन अब उसी जेल की रंगत और सूरत बदल जाएगी।यूपी की योगी कैबिनेट ने जेल मैन्युअल में बड़ा बदलाव किया है। यह जेल मैन्युअल 1941 में बना था। बदलाव के तहत अंग्रेज और राजा-रजवाड़ों से जुड़ी सारी व्यवस्थाएं खत्म कर दी गई हैं। इससे अब महिला बंदी जेलों में भी श्रृंगार कर सकेंगी और मंगलसूत्र पहन सकेंगी। बच्चों के जन्म पर उनका नामकरण संस्कार भी हो सकेगा।यूपी की योगी कैबिनेट ने जेल मैन्युअल में बड़ा बदलाव किया है। यह जेल मैन्युअल 1941 में बना था। बदलाव के तहत अंग्रेज और राजा-रजवाड़ों से जुड़ी सारी व्यवस्थाएं खत्म कर दी गई हैं। इससे अब महिला बंदी जेलों में भी श्रृंगार कर सकेंगी और मंगलसूत्र पहन सकेंगी। बच्चों के जन्म पर उनका नामकरण संस्कार भी हो सकेगा।जेल में पहन सकेंगी मनपसंद कपड़े जेलों का मॉडर्नाइजेशन किया जा रहा है। व्यवस्था में बदलाव कर नई सुविधाएं दी जा रही हैं।

अब महिला बंदी जेलों में भी मंगलसूत्र पहन सकती हैं। बालों में शैंपू कर सकती हैं। उनके बाल काटने की व्यवस्था भी होगी। अब साड़ी की जगह वे मनपसंद कपड़े खासतौर पर सलवार-सूट भी पहन सकती हैं।जेल में ही बच्चों का नामकरण होगा यूपी सरकार में वरिष्ठ आईएएस और सीएम योगी के सबसे भरोसेमंद अधिकारी अवनीश अवस्थी ने कहा कि जेल में जो बच्चा पैदा होगा उसका नामकरण संस्कार वहीं होगा। यह काम उसके धर्म के हिसाब से धर्मगुरु करेंगे। इतना ही नहीं, सरकार उनकी पढ़ाई-लिखाई और खानपान की व्यवस्था भी करेगी। जेल में बच्चों के खेलने के लिए चिल्ड्रन पार्क भी बनाया जाएगा। जेल में खीर और सेवइयां भी बनाई जाएंगी। ACS गृह ने कहा कि हिंदू धर्म का कोई त्यौहार होगा, तो खीर बनेगी। मुस्लिम धर्म के लोगों का अगर त्योहार हुआ, तो खजूर और फल की व्यवस्था की जाएगी। अवनीश अवस्थी ने कहा कि जिलों में अब श्री नॉट श्री की राइफल की जगह 9mm कार्बाइन, 9mm पिस्टल और इंसास राइफल का उपयोग किया जाएगा। इससे सिक्योरिटी मजबूत होगी

दून पुलिस ने 83 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से खोल दिया ट्रक चोरी का कांड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

डोईवाला के रहने वाले सतवीर सिंह ने 16 अगस्त को थाना डोईवाला पर सूचना दी कि दिनांक15 अगस्त को उनके भाई गुरदेव सिंह का ट्रक एल0पी0टी0 1613 टर्बो वाहन संख्या यू0ए0 07 R 8929 जो उनके घर नुन्नावाला, भानियावाला के पास खडा किया गया था, रात में अज्ञात लोगों द्वारा चोरी कर लिया गया है। इस सूचना के आधार पर थाना डोईवाला में केस दर्ज किया गया और जिसकी विवेचना चौकी प्रभारी जौलीग्रांट उ0नि0 उत्तम सिंह रमोला के सुपुर्द की गई।

चूंकि उक्त अपराध देहरादून- हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर घटित हुआ था , इसलिए अपराध की गम्भीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून ने पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और क्षेत्राधिकारी डोईवाला के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक डोईवाला को जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़ने के निर्देश दिए। इसके बाद प्रभारी निरीक्षक डोईवाला ने 3 टीमें बनाकर सभी को अलग-अलग टास्क देकर रवाना किया गया । इसके अतिरिक्त स्थानीय स्तर पर भी बाहर से आने जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों के सम्बन्ध में लाभप्रद जानकारी संकलित करने हेतु एक टीम का गठन किया गया। अनावरण हेतु गठित टीमों द्वारा तत्काल उनको दिये गये टास्क पर पूर्ण रूप से कार्य करते हुए पूर्व में वाहन चोरी में जेल गये अभियुक्तों की जानकारी करते हुए मुखबिरों को भी सक्रिय किया गया। गठित टीम में से एक टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज चेक करना प्रारम्भ किया गया, जिसमें चोरी किया गया ट्रक हरिद्वार की तरफ ले जाते दिखाई दिए। इसके अतिरिक्त घटना से पूर्व घटनास्थल को आने जाने वाले वाहनों को भी चेक किया गया ताकि अभियुक्तों के आने के रास्ते का पता चल सके। अनावरण हेतु गठित टीमों द्वारा आपसी सामन्जस्य रखते हुए तथा 83 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चैक करते हुए लंढौरा हरिद्वार से चोरी किये गये ट्रक को बरामद करते हुए घटना में शामिल रहे 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। 1 अभियुक्त आसिफ मौके से भागने में सफल रहा, भागे हुए अभियुक्त के गिरफ्तारी के भी प्रयास किये जा रहे हैं।

जान लीजिये क्या था अपराध करने का तरीका- शातिर अभियुक्त घूमते फिरते हुए सुनसान स्थानों पर खडे ऐसे वाहनों को चिन्हित कर लेते हैं जो काफी दिनों से प्रयोग में नहीं लाये जा रहे हो, उसके पश्चात रात्रि में मौका देखकर वाहन चोरी कर लेते हैं। उक्त अभियुक्तों में से आसिफ वाहन को काटकर उसके पार्टस अलग-अलग करके बेच देता है। मामले का खुलासा 24 घंटे से भी कम समय में पुलिस टीम द्वारा किया गया है । यदि घटना का अनावरण तत्काल नहीं किया जाता तो चोरी किया गया वाहन काटकर बेच दिया जाता और अभियुक्त गणों तक पहुंचना पुलिस टीम के लिए अत्यंत दुष्कर हो जाता।

अब एटीएम से पैसे निकालने में लगेगा चार्ज : भारतीय रिजर्व बैंक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के सभी प्रमुख बैंक हर महीने एटीएम में सीमित संख्या में मुफ्त लेनदेन की अनुमति देते हैं। मुफ्त लेनदेन से परे, जिसमें वित्तीय और गैर-वित्तीय सेवाएं शामिल हैं, ऋणदाता लागू करों के साथ शुल्क लगाते हैं। एटीएम में मुफ्त लेनदेन की संख्या खाते के प्रकार और आपके द्वारा रखे गए डेबिट कार्ड पर भिन्न हो सकती है। निःशुल्क मासिक लेनदेन की अनुमेय सीमा से अधिक एटीएम का उपयोग करने पर शुल्क लगेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पिछले साल जून में जारी एक अधिसूचना के अनुसार, बैंकों को 1 जनवरी 2022 से प्रभावी मासिक मुफ्त लेनदेन सीमा से अधिक एटीएम पर प्रति लेनदेन ₹ 21 चार्ज करने की अनुमति दी गई थी। इससे पहले, बैंकों को ऐसे प्रत्येक लेनदेन के लिए ₹20 चार्ज करने की अनुमति थी। ग्राहकों को हर महीने अपने बैंक के एटीएम में पांच मुफ्त लेनदेन की अनुमति है, और अन्य बैंक एटीएम के लिए तीन मुफ्त लेनदेन की सीमा है। गैर-मेट्रो केंद्रों में ग्राहक अन्य बैंक के एटीएम में पांच मुफ्त लेनदेन का लाभ उठा सकते हैं।

आरबीआई ने बैंकों को 1 अगस्त 2022 से सभी केंद्रों पर ₹17 प्रति वित्तीय लेनदेन और प्रत्येक गैर-वित्तीय लेनदेन के लिए ₹6 का इंटरचेंज शुल्क लगाने की अनुमति दी। बढ़ती एटीएम स्थापना और रखरखाव लागत को पूरा करने के लिए बैंक एटीएम सेवा शुल्क लेते हैं। ग्राहक के पास किस प्रकार का कार्ड है, इसके आधार पर सभी प्रमुख बैंक डेबिट कार्ड या एटीएम कार्ड पर वार्षिक शुल्क भी लेते हैं।

संपादकीय

अनुसंधान पर बल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' के नारे में 'जय अनुसंधान' को जोड़कर यह संदेश दिया है कि शोध एवं अनुसंधान उज्जवल भविष्य के आधार हैं. इससे यह भी इंगित होता है कि भारत सरकार इस क्षेत्र में प्राथमिकता के साथ अग्रसर होगी. अपनी 75 वर्षों की यात्रा में ज्ञान, विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में भारत ने अनगिनत उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है, पर हम इतने भर से संतुष्ट नहीं हो सकते. जीवन के हर क्षेत्र में तकनीक का उपयोग बहुत तेजी से बढ़ रहा है. विज्ञान की प्रस्थापनाओं एवं अवधारणाओं को व्यावहारिक बनाने पर दुनियाभर में जोर दिया जा रहा है. शिक्षा, स्वास्थ्य, वस्तु उत्पादन, सेवाओं की उपलब्धता आदि में नवाचार से हम प्रगति के पथ पर अधिक गति से अग्रसर हो सकते हैं. प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान से शिक्षण संस्थाओं, प्रयोगशालाओं और विशिष्ट अनुसंधान केंद्रों में उत्साह की लहर है. उन्हें आशा है कि इस संबोधन के बाद शोध एवं अनुसंधान में सरकार और निजी क्षेत्र के निवेश में समुचित वृद्धि होगी. अनुसंधान एक दीर्घ प्रक्रिया है और उसके लिए बड़े पैमाने पर संसाधनों की आवश्यकता होती है. लेकिन लगभग दो दशकों से इस मद में बजट आवंटन सकल घरेलू उत्पाद के एक प्रतिशत से भी कम रहा है. वर्तमान वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में यह आंकड़ा केवल 0.41 प्रतिशत है. समुचित सुविधाओं और प्रोत्साहन के अभाव के कारण प्रतिभाएं या तो देश से बाहर चली जाती हैं या पेशेवर जीवन में चली जाती हैं. ऐसे में बहुत से छात्र और युवा वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में जाने से कतराते हैं. रुचि का अभाव भी एक समस्या है. अनुसंधान की राह में एक बड़ी रुकावट सरकारी मशीनरी की धीमी गति और लालफीताशाही भी है. भारत को अगर तकनीक का वैश्विक केंद्र बनाना है, तो शोध एवं अनुसंधान के लिए एक ठोस कार्य योजना बनायी जानी चाहिए. इसमें प्राथमिकता पहले से लंबित योजनाओं को दी जानी चाहिए. आवश्यक साजो-सामान को विदेशों से लाने की प्रक्रिया को सरल बनाना चाहिए तथा नवाचार की उपलब्धियों को पेटेंट देने में बरती जाने वाली सुस्ती को छोड़ा जाना चाहिए. यह समझना जरूरी है कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने तथा 'मेक इन इंडिया' को सफल बनाने के लिए हमें तकनीकी रूप से भी समर्थ होना होगा. अनुसंधान से जनित सेवाओं और वस्तुओं के निर्यात से अर्थव्यवस्था को बहुत लाभ हो सकता है. इसके उदाहरण हम अपने अंतरिक्ष अनुसंधान, दवा उद्योग तथा कृषि उत्पादन में देख सकते हैं. भविष्य में स्टार्टअप सेक्टर का योगदान अहम होगा और इस दिशा में भारत का विकास उत्साहजनक है. तकनीकी अनुसंधान को बढ़ाकर हम इसे और गति दे सकते हैं. अनुसंधान और नवाचार में रुचि बढ़ाने के लिए हमें इसे एक संस्कृति बनाना होगा तथा बच्चों को प्राथमिक विद्यालयों से ही विज्ञान एवं तकनीक की ओर उन्मुख करने पर ध्यान देना चाहिए. आशा है कि प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान से तकनीकी प्रगति में नये आयाम जुड़ेंगे.

क्रिकेटर विनोद कांबली की ये हालत देख यकीन नहीं होता

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

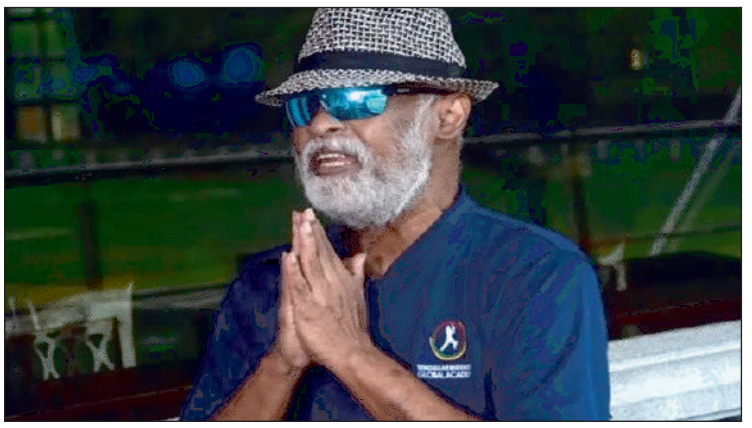

वो क्रिकेटर जिसे सचिन तेंदुलकर से भी ज्यादा टैलेंटेड माना जाता था, आज वो दुखों का सितम झेल रहा है. वो क्रिकेटर जिसने सचिन के साथ मिलकर 664 रनों की साझेदारी की और अकेले ही 349 रन ठोक डाले आज वो खिलाड़ी गरीबी में जी रहा है. वो क्रिकेटर जो सचिन का जिगरी यार है वो आज बीसीसीआई से मिल रही पेंशन से अपना परिवार पेट पाल रहा है. बात हो रही है विनोद कांबली की जो इस वक्त घर पर खाली बैठे हैं. उनके पास कोई काम नहीं है और अब उनका दर्द सामने आया है.

विनोद कांबली ने एक मीडिया संस्थान को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि इस वक्त वो बेरोजगार हैं. उनका परिवार बीसीसीआई की पेंशन से चल रहा है. कांबली ने कहा कि उनकी पेंशन 30 हजार रुपये महीना है और इसी से वो परिवार का पेट पाल रहे हैं.विनोद कांबली देते थे सचिन की एकेडमी में कोचिंगविनोद कांबली ने बताया कि वो सचिन तेंदुलकर की मिडिलसेक्स ग्लोबल एकेडमी में मेंटॉर थे लेकिन इसके बाद उन्होंने वहां जाना छोड़ दिया. कांबली ने कहा, 'मैं रोज सुबह 5 बजे उठता था. इसके बाद डीवाई पाटिल स्टेडियम के लिए कैब पकड़ता था. उस वक्त मैं बीकेसी ग्राउंड में शाम के वक्त भी कोचिंग देता था. ये मेरे लिए काफी थकाने वाला शेड्यूल था. मैं एक रिटायर्ड क्रिकेटर हूं और अब मैं पूरी तरह बीसीसीआई की पेंशन पर निर्भर हूं.'सचिन को मेरी हालत के बारे में पता है - कांबलीविनोद कांबली ने बताया कि सचिन को उनकी इस हालत के बारे में सब मालूम है. कांबली ने कहा, 'सचिन को सब कुछ पता है. लेकिन मैं उनसे कोई उम्मीद नहीं रखता. उन्होंने मुझे तेंदुलकर मिडिलसेक्स ग्लोबल एकेडमी में काम दिया था और मैं उससे बहुत खुश था. वो मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं. वो हमेशा मेरे लिए खड़े रहे हैं.'कांबली ने कहा कि वो ऐसा काम चाहते हैं जिसमें वो युवा खिलाड़ियों की मदद कर सकें. मैं जानता हूं कि अमोल मजूमदार मुंबई के हेड कोच हैं लेकिन जहां भी मेरी जरूरत होगी मैं मौजूद हूं. आपको यहां बता दें कि कांबली ने भारत के लिए 104 वनडे, 17 टेस्ट मैच खेले हैं. उनके नाम 3561 इंटरनेशनल रन हैं. उनके बल्ले से चार टेस्ट शतक और 2 वनडे शतक निकले.

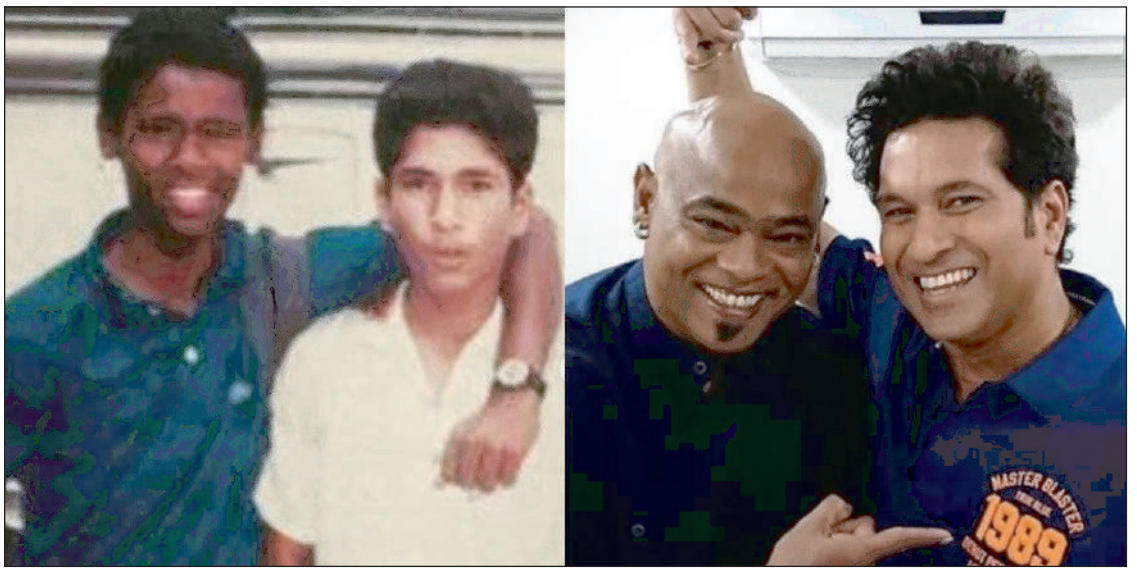

Health is Wealth : सिर्फ 2 मिनट पैदल चलने का ये है फायदा

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

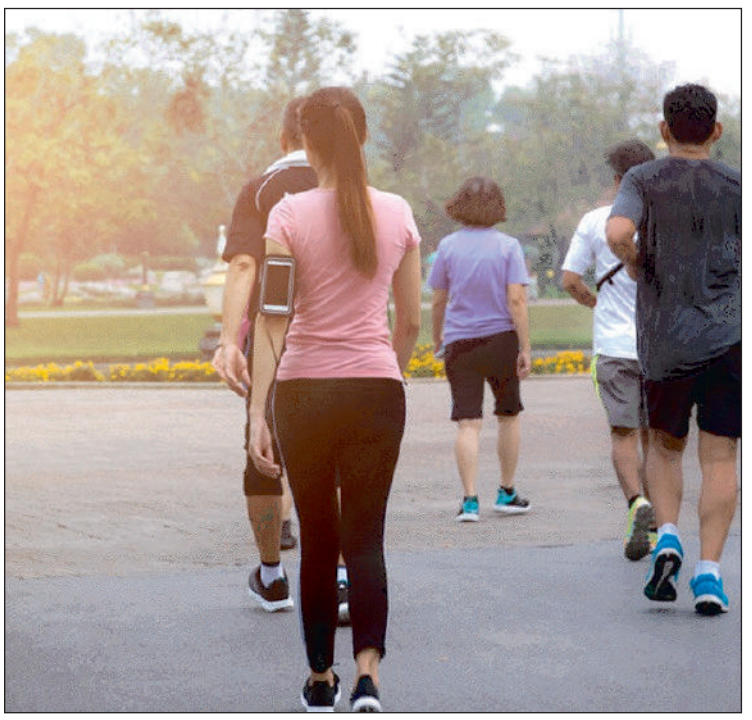

खाने के बाद तुरंत बैठने, सोफे या बिस्तर पर लेट जाने से मोटा होने की आशंका बढ़ जाती है, क्योंकि इसका सीधा असर पाचन तंत्र पर पड़ता है। इसलिए, हर बार खाने के बाद 2 मिनट टहलना चाहिए। पहले से मान्यता रही है कि खाने के बाद कम से कम 15 मिनट टहलना चाहिए। हाल ही में स्पोर्ट्स मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित मेटा एनालिसिस के 7 अध्ययनों में सामने आया कि भोजन के बाद महज दो मिनट टहलने से टाइप 2 डायबिटीज के खतरे को कम किया जा सकता है। वहीं शरीर में ब्लड शुगर लेवल भी कम हो जाता है।

खाने के बाद सोने वालों का शुगर लेवल ज्यादा

शोध में खाने के बाद बैठे रहने या सो जाने और कुछ देर पैदल चलने के प्रभावों को लेकर इंसुलिन-ब्लड शुगर के स्तर की तुलना की गई। खाने के बाद तत्काल सोने वालों का शुगर लेवल अचानक बढ़ गया, जो धीरे-धीरे घटा। शोध के मुताबिक 15 मिनट तक टहलना हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा जैसी बीमारियों में फायदेमंद हो सकता है।

लंच के बाद ऑफिस में भी घूमें

खाना खाने के 60 से 90 मिनट के अंदर थोड़ा टहलना जरूरी है। स्टडी में शामिल ह्यूस्टन मेथोडिस्ट अस्पताल के हार्ट स्पेशलिस्ट डॉक्टर केरशॉ पटेल का मानना है कि हर छोटी चीज से फायदा होता है, भले ही ये एक छोटा कदम ही क्यों न हो। उन्होंने कहा कि समय न होने पर खड़े रहकर भी ब्लड शुगर को कम किया जा सकता है, लेकिन इसका उतना असर नहीं होता। ऑफिस में भी लंच के बाद ब्लॉक में टहलना या जूम मीटिंग करते-करते घूमना भी फायदेमंद हो सकता है।

एमडीडीए ने अवैध निर्माण के बिरुद्ध कार्यवाही जारी रखते हुए 5 निर्माण ध्वस्त किये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून में एमडीडीए की भृस्टाचार पर सख्त कार्यवाही जारी है। अवैध निर्माण और प्लाटिंग को लेकर एमडीडीए के अधिकारी तेजी से ध्वस्तीकरण की कार्यवाही कर रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को भी बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण का ध्वस्तीकरण कराया गया जिसका विवरण इस प्रकार है।

1 गुलज़ार अहमद पुत्र साहब द्वारा मल्हान ग्रांट , मानक सिद्ध के निकट, गणेशपुर बुद्धि ग्राम रतनपुर में बिना स्वीकृति के लगभग 2 बीघा भूमि पर प्लाटिंग की जा रही थी जिसे प्राधिकरण सचिव मोहन सिंह बर्निया के आदेशों के क्रम में सहा अभियंता शैलेंद्र सिंह रावत द्वारा पुलिस फ़ोर्स की उपस्थिति में प्राधिकरण टीम के साथ ध्वस्त कर दिया गया 2 श्री संदीप भट्ट द्वारा Karbari Grant, Behind Ganeshpur Military Academy School, Shimla Bypass Road Dehradun में बिना स्वीकृति के लगभग 25 बीघा भूमि पर प्लाटिंग की जा रही थी जिसे प्राधिकरण सचिव मोहन सिंह बर्निया के आदेशों के क्रम में सहा अभियंता शैलेंद्र सिंह रावत द्वारा पुलिस फ़ोर्स की उपस्थिति में प्राधिकरण टीम के साथ ध्वस्त कर दिया गया 3 बक्शी पंवार, संजीव चौहान आदि द्वारा गढ़ी माई चक रोड श्यामपुर ऋषिकेष बिना स्वीकृति के लगभग 8 बीघा भूमि पर प्लाटिंग की जा रही थी जिसे प्राधिकरण सचिव मोहन सिंह बर्निया के आदेशों के क्रम में सहा अभियंता प्रेम पाल सिंह द्वारा तहसीलदार व पुलिस फ़ोर्स की उपस्थिति में प्राधिकरण टीम के साथ ध्वस्त कर दिया गया 4 शादाब हुसैन , मोथरोवाला रोड, सुविधा डिपार्टमेंटल स्टोर , देहरादून द्वारा बिना स्वीकृति के कमर्शियल निर्माण (16 x 25 feet के क्षेत्र फल में दुकानों का निर्माण) किया जा रहा था , सचिव बर्निया के आदेशों के पालन में सहा अभियंता दिग्विजय नाथ तिवारी द्वारा पुलिस फ़ोर्स की उपस्थिति में प्राधिकरण टीम के साथ सील कर दिया गया ।5 शुक्ला आदि द्वारा डूंगा भाउवाला देहरादून में बिना स्वीकृति के लगभग 15 बीघा भूमि पर प्लाटिंग की जा रही थी जिसे प्राधिकरण सचिव मोहन सिंह बर्निया के आदेशों के क्रम में सहा अभियंता प्रमोद मेहरा द्वारा प्राधिकरण टीम के साथ ध्वस्त कर दिया गया ।

विश्वस्तरीय होगा उत्तराखण्ड लैंडस्लाइड मिटिगेशन एंड मैनेजमेंट सेंटर : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने उत्तराखण्ड लैंडस्लाइड मिटिगेशन एंड मैनेजमेंट सेंटर की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने सचिव आपदा को सेंटर की स्थापना में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सेंटर विश्व स्तर का बनाया जाना है।

मुख्य सचिव ने कहा कि हिमालयी राज्यों में भूस्खलन बहुत बड़ी समस्या है, परन्तु राष्ट्रीय स्तर में भी भूस्खलन से सम्बन्धित अध्ययन, शोध और न्यूनीकरण के लिए समर्पित कोई संस्थान उपलब्ध नहीं है। इस क्षेत्र में उत्तराखण्ड लैंडस्लाइड मिटिगेशन एंड मैनेजमेंट सेंटर सिर्फ अन्य राज्यों को ही नहीं बल्कि देश-विदेश में सेवा उपलब्ध कराने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुख्य सचिव ने कहा कि इस सेंटर के कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विश्व स्तरीय विशेषज्ञता पर फोकस किया जाए। इस सेंटर में सम्बन्धित क्षेत्र से प्रोफेशनल्स को ही तैनात किया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए सम्बन्धित क्षेत्र में कार्य कर रहे नेशनल और इंटरनेशनल संस्थानों में कार्य कर रहे प्रोफेशनल्स से संपर्क किया जाए। मुख्य सचिव ने उत्तराखण्ड लैंडस्लाइड मिटिगेशन एंड मैनेजमेंट सेंटर शीघ्र ऑपरेशनल किए जाने हेतु प्रत्येक स्तर की तिथियां निर्धारित किए जाने के निर्देश दिए।इस अवसर पर सचिव आपदा डॉ. रंजीत सिन्हा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सिडकुल से सितारगंज तक रोड चौड़ीकरण के निर्देश - युगल किशोर पंत , डीएम यूएस नगर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर , जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त की अध्यक्षता में डॉ. एपीजे उद्योग मित्र की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने बैठक में 29 बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने महिला उद्यमी योजना के अन्तर्गत ब्याज उपादान दावों के निस्तारण हेतु त्रैमासिक बैठकें आयोजित कराने के निर्देश महाप्रबन्धक उद्योग को दिये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि उद्यमियों को सब्जिडी की धनराशि समय से मिले ताकि उद्यमी धनराशि का सदुपयोग कर सकें। उन्होंने औद्योगिक ईकाईयों के कम्पलीशन सर्टीफिकेट से सम्बन्धित आवेदन, निस्तारण आदि की सम्पूर्ण जानकारियां आगामी बैठक में मुहैया कराने, सीडा के उच्चाधिकारियों को बैठक में बुलाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये।

जिलाधिकारी ने उद्यमियों की मांग पर सिडकुल सितारगंज क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश आरएम सिडकुल को दिये। उन्होंने सिडकुल फैज-2 सितारगंज में विद्युत सब स्टेशन शीघ्र स्थापित करने हेतु कार्यवाही करने, प्लास्टिक पार्क में निर्माणाधीन विद्युत सब स्टेशन को तीन माह के भीतर पूरान करने के निर्देश विद्युत विभाग के अभियंताओं को दिये। उन्होंने सिडकुल से सितारगंज तक रोड चौड़ीकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश लोनिवि के अधिकारियों को दिये। उन्होंने पन्तनगर औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षात्कम दृष्टि से पुलिस बल बढवाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश आरएम सिडकुल को दिये। उन्होंने मेट्रोपोलिस मॉल के पास हाईवे पर कट बनवाने से सम्बन्धित प्रस्ताव सड़क सुरक्षा समिति में रखने के निर्देश एनएचएआई के अभियंताओं को दिये। उन्होंने रिद्धी सिद्धी कम्पनी के पास बायपास रोड निर्माण हेतु फैज-1 का स्टीमेंट तुरन्त शासन में भेजने के निर्देश आरएम सिडकुल को दिये। उन्होंने ईएसआईसी अस्पताल से आईआईई के समस्त सेक्टर के लिए कनेक्टिंग रोड निर्माण हेतु डीपीआर 10 सितम्बर तक उपलब्ध कराने के निर्देश लोनिवि के अधिकारियों को दिये। उन्होंने फुट ओवर ब्रिज निर्माण कार्य हेतु शीघ्र टैण्डर की प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश एनएचएआई के अभियंताओं को दिये। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि सीएसआर फण्ड से जनपद में विद्यालयों का कायाकल्प करने के लिए नए रूपान्तरण के तौर पर कार्य किया जायेगा। उन्होंने सीएसआर फण्ड से विद्यालयों का कायाकल्प हेतु विद्यार्थी संख्या सहित सम्पूर्ण ब्यौरा उपलब्ध कराने के निर्देश मुख्य शिक्षा अधिकारी को दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि सीएसआर मद से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने के लिए कम्पनियों को विद्यालयो एवं योजनाएं चिन्हित करने के लिए विकल्प उपलब्ध कराये जायेंगे ताकि सीएसआर फण्ड का और अधिक बेहतर ढंग से उपयोग हो सके। इसके साथ ही अन्य सभी बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, अपर जिलाधिकारी डॉ.ललित नरायाण मिश्र, मुख्य कोषाधिकारी डॉ.पंकज कुमार शुक्ला, महाप्रबन्धक उद्योग चंचल बोरा, आरएम सिडकुल कमल कफल्टिया, मुख्य शिक्षा अधिकारी आरसी आर्य, केजीसीसीआई से हरीश जी, सहित उद्यमी बीएस सेहरावत, विशाल गर्ग, अनूप सिंह, आनन्द रंजन, उमेश शर्मा, वी.सिंह. चमन सिंह, कुलदीप सिंह आदि उपस्थित थे। बैठक का संचालन महाप्रबन्धक उद्योग चंचल बोरा ने किया।

डीएम सोनिका ने जिला जल एवं स्वच्छता मिशन, जल जीवन मिशन की बैठक ली

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता मिशन श्रीमती सोनिका ने जिला जल एवं स्वच्छता मिशन, जल जीवन मिशन देहरादून की बैठक ली। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने जल संस्थान तथा पेयजल निगम के अधिकारियों को बिना तैयारी के बैठक में प्रतिभाग करने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने रेखीय विभाग की कार्यों की समीक्षा करने हेतु मुख्य विकास अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी ने जल संस्थान तथा पेयजल निगम के अधिकारियों के साथ जनपद में एफएचटीसी आच्छादन की अद्यतन स्थिति, फेस वन के कार्यों को पूर्ण करने की अद्यतन प्रगति, फेस टू कार्यों में डीपीआर निर्माण करने की अद्यतन प्रगति, जिला जल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा पूर्व में अनुमोदित/स्वीकृत प्राक्कलनो पर कार्य प्रारंभ करने की अद्यतन स्थिति, जल जीवन मिशन के अंतर्गत नवनिर्मित प्राक्कलनो पर चर्चा एवं उनका अनुमोदन, अनुबंधित तृतीय पक्ष निगरानी एजेंसी (टीपीटीआई) के कार्यों की प्रगति, जल जीवन मिशन के तहत पेयजल योजनाओं की फाइनल कंप्लीशन रिपोर्ट (एफसीआर) के लिए तैयार किए गए प्रपत्र के अनुमोदन, डीडब्ल्यूएसएम हेतु अनुबंधित कार्मिकों की नियुक्ति प्रक्रिया पर हुए व्यय को जल जीवन मिशन के सपोर्ट फंड से भारित किए जाने पर चर्चा की। साथ ही बैठक में स्पष्ट सूचना प्रस्तुत न करने पर पेयजल निगम तथा जल संस्थान के अधिकारियों का स्पष्टीकरण तलब किये जाने के निर्देश दिए।

बैठक में अधिशासी अभियंता जल संस्थान के सी पैन्यूली, एलसी रमोला, एसीएफ वन विभाग तनुजा परिहार, जलकल अभियंता जल संस्थान ऋषिकेश अनिल नेगी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी देहरादून डॉक्टर यू एस चैहान, डी ई ओ एजुकेशन सुदर्शन सिंह बिष्ट, आरटीओ टूरिज्म जसपाल चैहान सहित पेयजल निगम तथा जल संस्थान के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा